

**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125**

बुलेटिन संख्या–80

दिनांक: शुक्रवार, 16 अक्टूबर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.4 एवं 20.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.0 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.1 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से०मी० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.0 एवं दोपहर में 35.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 अक्टूबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17 से 21 अक्टूबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि में आमतौर पर मौसम के शुष्क एवं आसमान प्रायः साफ रहने की संभावना है। हलॉकि, 18–19 अक्टूबर के आसपास एक-दो स्थानों पर बहुत ही हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 27–35°C तथा न्यूनतम तापमान 18–25°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 75–85% तथा दोपहर में 40–55% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवाएँ पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी दिशा से 5–10 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- राई: राई की बुआई करें। समय पर बुआई के लिए पूसा मस्टर्ड 25, वरुणा, पूसा बोल्लड (दियारा क्षेत्र के लिए उपयुक्त) एवं क्रांति किस्मों का चयन करें। अगेती बुआई के लिए पूसा अग्रणी (एस.ई.जे.-2), पूसा महक (जे.डी.-6), राजेन्द्र अनुकूल (आर.ए.यू.आर.जी. 1002) एवं राजेन्द्र सुफलाम (आर.ए.यू.आर.जी.एल. 02–01) उपयुक्त हैं। बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा 30×15 सेमी दूरी रखें। बुआई से 20–30 दिन पहले प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल गोबर की खाद के साथ 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। अंतिम जुताई के समय आधी नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा मिट्टी में मिला दें। शेष आधी नाइट्रोजन फूल आने की अवस्था में दें। तेल की मात्रा एवं गुणवत्ता के लिए सल्फरयुक्त उर्वरकों को प्राथमिकता दें। जिक की कमी वाली मिट्टी में अंतिम खेत तैयारी के समय 25 किलोग्राम जिक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें।
- मटर: दलहनी फसल के रूप में मटर की बुआई करें। अनुशंसित किस्मों में रचना, मालवीय मटर 15, अपर्णा, हरभजन, जी.डी.आर. 23 (पूसा प्रभात), काशी प्रिया, वी.एल.-42, अर्का प्रिया एवं शांतिवाड़ा मटर-1 शामिल हैं। बुआई से 2–3 दिन पूर्व बीज को थीरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज, कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा थीरम 2 ग्राम+कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई से ठीक पहले बीज को उपयुक्त राइजोबियम कल्चर से 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 30×10 सेमी दूरी रखें। हरभजन एवं पूसा प्रभात किस्मों के लिए 20×5 सेमी की दूरी रखें। 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- मसूर: मसूर की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हो गया है। अतः किसान इसकी बुआई शुरू करें। इसकी खेती हल्की ऊपरी भूमि से लेकर उपजाऊ निचली भूमि तक की जा सकती है। इसके लिए 6.5–8.0 पीएच मान वाली तथा अच्छी जल निकास व्यवस्था वाली भूमि उपयुक्त है। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित किस्मों में मल्लिका (के.75), अरुण (पी.एल.77–12), के.एल.एस. 218, एच.यू.एल. 57, डब्ल्यू.बी.एल. 77 एवं पी.एल. 5 शामिल हैं। बुआई से 2–3 दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। इसके बाद बीज को क्लोरपाइरीफॉस 2–4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई से ठीक पहले बीज को उपयुक्त राइजोबियम कल्चर से 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपचारित करें। छोटे दाने वाली किस्मों के लिए 30–35 किलोग्राम तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 40–45 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। पैरा (रिले फसल) पद्धति में 50–60 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें तथा 30 सेमी दूरी रखें। फसल में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- गाजर: गाजर की अनुशंसित किस्मों की बुआई करें। बीज दर 4–5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी 30×10 सेमी रखें। फसल में 150–200 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- लहसुन: लहसुन की बुआई शुरू करने की सलाह दी जाती है। बुआई के लिए 300–500 किलोग्राम कलियाँ प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें तथा 15×10 सेमी की दूरी रखें। अनुशंसित किस्मों में यमुना सफेद-1, यमुना सफेद-2, एग्रीफाउंड (जी-41), श्वेता (सिलेक्शन-10), एग्रीफाउंड पार्वती (जी-313), यमुना सफेद-4 एवं राजेन्द्र लहसुन-1 शामिल हैं। अच्छी उपज के लिए 200–250 क्विंटल कम्पोस्ट, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस, 80 किलोग्राम पोटाश एवं 20–40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- टमाटर: टमाटर की बुआई कर लें। अनुशंसित किस्मों में अर्का विकास, अर्का अभेद, अर्का आलोक, अर्का अभिजीत, अर्का सौरभ, अर्का मेघाली, पूसा उपहार, पूसा लुबी, काशी शरद एवं काशी अनुपम-11 शामिल हैं। अनुशंसित संकर किस्मों में अर्का सम्राट, अर्का अपेक्षा, अर्का विशेष, पूसा दिव्या अर्का, वरदान, अर्का रक्षक एवं अर्का अनन्या शामिल हैं। सामान्य किस्मों के लिए 400–500 ग्राम तथा संकर किस्मों के लिए 150–200 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। निश्चित बड़वार वाली किस्मों के लिए 60×45 सेमी, अनिश्चित बड़वार वाली किस्मों के लिए 75×60–75 सेमी तथा संकर किस्मों के लिए 90×60 सेमी की दूरी रखें। खेत में 200–250 क्विंटल गोबर की खाद के साथ 120 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। नाइट्रोजन बराबर भागों में रोपाई के समय, रोपाई के 20–25 दिन बाद तथा रोपाई के 45–50 दिन बाद दें। रोपाई के 10 दिन बाद 20 ग्राम बोरिक एसिड, 100 ग्राम यूरिया एवं 20 मिलीलीटर टीपोल (या एक सैशे शैम्पू) को 20 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूल आने से पहले 10 दिनों के अंतराल पर कुल तीन छिड़काव करें। इसके अतिरिक्त, 20 ग्राम जिक सल्फेट एवं 20 मिलीलीटर टीपोल (या एक सैशे शैम्पू) को 20 लीटर पानी में घोलकर 10 दिनों के अंतराल पर फूल आने से पहले दो छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमान: 32.0 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

आज का न्यूनतम तापमान: 21.4 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी